भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2625

11 दिसंबर, 2024 के लिए प्रश्न

चीनी उत्पादन में गिरावट

2625. श्री विजयकुमार उर्फ विजय वसंत:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2024-25 के शुरुआती छह सप्ताहों में चीनी उत्पादन में 44 प्रतिशत की गिरावट आने के क्या कारण हैं तथा सरकार द्वारा चीनी मिलों के पिराई-कार्य में देरी को दूर करने के लिए उठाए जाने वाले उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले वर्ष के दौरान 264 की तुलना में इस वर्ष केवल 144 चीनी मिलें ही चालू होने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार मिलों को पिराई कार्य शुरू करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तरप्रदेश में चीनी उत्पादन का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार उत्पादन में उल्लेखनीय गिरावट का सामना कर रहे राज्यों को किस प्रकार सहायता प्रदान कर रही है तथा उद्योग और अर्थव्यवस्था पर चीनी उत्पादन में कमी के अनुमानित प्रभाव का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार का घरेलू मांग को पूरा करने के लिए चीनी आयात करने का विचार है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) सरकार का चीनी उत्पादन में दीर्घकालिक गिरावट को किस प्रकार दूर करने का विचार है तथा क्या सरकार के पास चीनी मिल किसानों को सहायता प्रदान करने के लिए कोई रूपरेखा/रणनीति है; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जंयतीभाई बांभणिया)

(क): चीनी मौसम (अक्तूबर-सितंबर) हर साल 1 अक्टूबर से शुरू होता है; हालांकि पेराई गन्ना फसल की परिपक्वता के अनुसार शुरू होती है। महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों में पानी की कमी के कारण गन्ने की वृद्धि धीमी है और इसे पकने में अधिक समय लगेगा। इसलिए, अपरिपक्व गन्ने की कटाई से बचने के लिए, महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों राज्यों ने निर्णय लिया है कि वर्ष

2024-25 के लिए पेराई कार्य 15 नवंबर से शुरू किया जाना चाहिए। चीनी मिलों को देर से शुरू करने के निर्णय से चीनी मिलों के साथ-साथ गन्ना किसानों को भी अधिक चीनी रिकवरी और गन्ना उत्पादकता प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

चूंकि अधिकांश राज्यों में पेराई शुरू हो गई है, इसलिए घरेलू मांग को पूरा करने के लिए चीनी उत्पादन पर्याप्त होने की उम्मीद है।

(ख): दिनांक 4.12.2024 तक की स्थिति के अनुसार 405 चीनी मिलों ने पेराई कार्य प्रारंभ कर दिया है तथा अन्य और चीनी मिलें पेराई कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया में हैं।

(ग) : केंद्र सरकार मिलों को पेराई कार्य शुरू करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं देती है।

महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में वर्तमान चीनी मौसम 2024-25 के दौरान दिनांक 4.12.2024 तक चीनी उत्पादन निम्नानुसार है:-

राज्य	**उत्पादन लाख टन में**
महाराष्ट्र	7.45
कर्नाटक	7.10
उत्तरप्रदेश	14.23

(घ) : देश में चीनी का उत्पादन घरेलू खपत की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

(ङ) : जी नहीं।

(च) एवं (छ): देश में चीनी का उत्पादन घरेलू आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। सरकार ने चीनी मौसम 2020-21 तक अतिरिक्त स्टॉक का परिसमापन और चीनी मिलों की चलनिधि स्थिति में सुधार करने के लिए उन्हें किसानों के गन्ना बकाये का समय पर भुगतान करने में सक्षम बनाने हेतु, समय-समय पर विभिन्न अल्पकालिक हस्तक्षेप किए हैं, जैसे गन्ने की लागत की भरपाई के लिए चीनी मिलों को सहायता प्रदान करना, बफर स्टॉक के रखरखाव के लिए चीनी मिलों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, चीनी के निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए चीनी मिलों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, चीनी मिलों को सुलभ ऋण देना, चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य निर्धारित करना आदि और चीनी मौसम 2021-22 तक चीनी मिलों/डिस्टिलरियों को उनकी इथेनॉल उत्पादन क्षमता आदि बढ़ाने के लिए ब्याज सहायता देना।

सरकार अतिरिक्त चीनी को इथेनॉल में बदलने के लिए चीनी मिलों/डिस्टिलरियों को प्रोत्साहित कर रही है, जिससे चीनी के अतिरिक्त स्टॉक की समस्या का समाधान होगा, मिलों की चल निधि में सुधार होगा जिससे किसानों के गन्ना बकाया का समय पर भुगतान करने में मदद मिलेगी।